कायनात के छुपे हुवे राज

मुफ्ती तकी उस्मानी दब.

इस्लाही खुत्बात/१७ उर्दू से खुलासा लिप्यांतरण किया है.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

इस कायनात मे बहुत से आलम पाये जाते हे, एक वो आलम जो हमे अपनी आंखो से नजर आ रहा हे, इसके अलावा भी बहुत से आलम पाये जाते हे, और बहुत किसम के आलम आबाद हे, और मखलुकात की इतनी किसमे हे के जिन का गिन्ना भी नामुम्कीन हे, हमे जमीन की जाहिरी सतह पर जो चीजे नजर आती हे, हम सिर्फ उसी को आलम समजते हे.

समंदर के नीचे भी एक आलम आबाद हे, जिसका अक्सर इन्सानो को पता नही हे, और समंदर के नीचे जो आलम आबाद हे वो उपर की सतह से कई गुना ज्यादा वसी हे, उसमे जंगल, पहाड, रेगीस्तान हे, और इतनी किसमो के जानवर हे जिनको गिनना भी नामुम्कीन हे, और उन सब की तमाम जरूरतो को समंदर के नीचे अल्लाह पूरी कर रहा हे.

पूरी कायनात मे अगर दुनिया को देखा जाये तो एक छोटे नुकते के बराबर भी नही हे, दुनिया एक छोटा सा ग्रह (प्लेनेट) हे, जो

कायनात के गिर्द हर वकत घूमता रेहता हे, आज के वैज्ञानिको का केहना हे लाखो नूरी सालो तक देखने के बाद भी कायनात की कोई इन्तेहा नही हे.

अंतरीक्ष (स्पेस) मे फासलो की गिनती खतम हो जती हे, मगर फासले खतम नही होते इस लिये वैज्ञानिकोने रोशनी की किरन के जरीये साल भर मे वो जितना फासला तेय करे, वो एक नुरी साल केहलाता हे, सुरज जमीन से एक करोड छयासी लाख मील दुर हे, वहा से रोशनी की किरन ८ सेकंड मे जमीन तक पोहोच जाती हे, अब वो इसी रफतार से सफर करे तो साल भर मे जो फासला तेय करे उसे नुरी साल केहते हे, इसी एतेबार से लाखो साल पर कायनात फेली हुई हे, उसके बाद भी दुरबीने और इन्सान का इल्म खतम हो जाता हे, और दुरी खतम नही होती, लेकिन वो अल्लाह ही हे जो इस वसी कायनात का निजाम चला रहा हे, और तमाम आलमो की परवरीश कर रहा हे.